Dq – जब आप उपवास करें तो अपने सिर पर तेल लगाएं और अपना
चेहरा धो लें मत्ती ६:१६-१८ | 1

– Save This Page as a PDF–

जब आप उपवास करें तो अपने सिर पर तेल लगाएं और अपना चेहरा धो लें

मत्ती ६:१६-१८

खोदाई: जब आप उपवास करें, तो अपने सिर पर तेल लगाएं और अपना चेहरा धो लें DIG: यहूदी आज तक कौन से उपवास याद करते हैं? एक उत्तम व्रत कौन सा है? फरीसी और टोरा- शिक्षक किस दिन उपवास करते थे? उन दिनों के बारे में क्या महत्वपूर्ण था? उन्होंने कैसे उपवास किया? प्रभु ने उन्हें उनके गलत इरादों के लिए क्यों डांटा? उनका इनाम क्या था? उनके विपरीत, यीशु के शिष्यों को उपवास कैसे करना चाहिए?

विचार करें: शास्त्रों में उपवास के क्या उदाहरण हैं? क्या हमें उपवास करने का आदेश दिया गया है? यदि हम ऐसा करना चुनते हैं, तो उपवास करने से हमें क्या लाभ होगा? उपवास किसकी अभिव्यक्ति है? जब हम उपवास करें तो हमें कैसा दिखना चाहिए? क्यों? हमारा व्रत कौन देखता है? हमें अपना इनाम कैसे मिलेगा?

सच्ची धार्मिकता के अपने नौवें उदाहरण में, येशुआ उपवास के बारे में सिखाता है और टोरा फरीसी यहूदी धर्म से कैसे भिन्न है। तानाख उपवास के धर्मी होने के कई उदाहरण हैं। मोशे, सैमसन, सैमुअल, हन्ना, डेविड, एलिजा, एज्रा, नहेमायाह, एस्तेर, डेनियल और कई अन्य लोगों ने उपवास किया। और ब्रिट चादाशाह हमें अन्ना, जॉन द बैपटाइज़र और उनके शिष्यों, येशुआ (मत्ती ४:२), रब्बी शाऊल, एंटिओक के विश्वासियों (प्रेरितों १३:३) और कई अन्य लोगों के उपवास के बारे में बताता है। हम जानते हैं कि प्रारंभिक चर्च के कई पिताओं ने उपवास किया था, और लूथर, केल्विन, वेस्ले, व्हाइटफील्ड और कई अन्य वफादार विश्वासियों ने भी उपवास किया था।

जकर्याह ने ऐसे चार उपवासों का उल्लेख किया है जो उसकी पीढ़ी के दौरान मनाए जाते थे और आज भी जारी हैं। स्वर्ग की स्वर्गदूतों की सेनाओं का प्रभु यहोवा यह कहता है: चौथे, पांचवें, सातवें और दसवें महीने के उपवास के दिन यहूदा के घराने के लिए खुशी, हर्ष और उत्साह के समय बनेंगे। इसलिए सत्य और शांति से प्रेम करो (जकर्याह ८:१९)। चौथे महीने (तम्मुज/जुलाई की ९वीं तारीख) का उपवास ५८६ ईसा पूर्व में यरूशलेम की दीवारों के ढहने की याद दिलाता है। पाँचवें महीने का उपवास (नवंबर/अगस्त की ९वीं तारीख) इसराइल के साथ हुई कई त्रासदियों की याद दिलाता है, विशेष रूप से इसी दिन पहले और दूसरे दोनों मंदिरों का विनाश। सातवें महीने का उपवास (गदालिया का व्रत/सितंबर) पहले मंदिर काल के अंतिम राजा की हत्या का प्रतीक

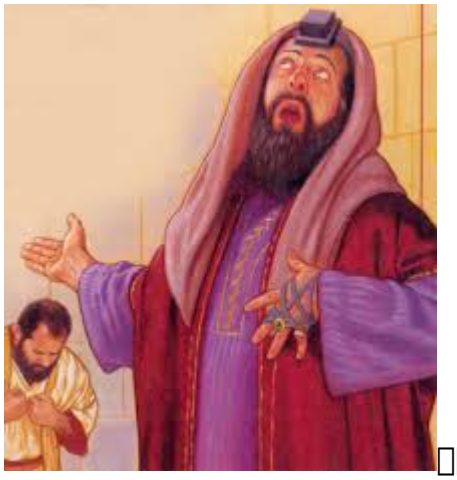
Dq – जब आप उपवास करें तो अपने सिर पर तेल लगाएं और अपना
चेहरा धो लें मत्ती ६:१६-१८ | 2

है। दसवें महीने का उपवास (टेवेट/जनवरी का १०वां दिन) उस दुखद समय की याद दिलाता है जब बेबीलोनियों ने यरूशलेम के खिलाफ घेराबंदी की थी।

यहूदी धर्म में इन पारंपरिक उपवासों के अलावा, योम किप्पुर/प्रायश्चित के दिन पर एक सर्वोच्च उपवास है। कुछ लोग यह तर्क दे सकते हैं कि भले ही यह सीधे तौर पर आदेशित उपवास नहीं है, फिर भी लैव्यव्यवस्था और यशायाह में भाषा की समानता इस प्राकृतिक संबंध की ओर ले जाती है। अपनी आत्मा को नम्र करने के लिए वही हिब्रू शब्द, या लैव्यव्यवस्था २३:२७ में ओनी, विशेष रूप से यशायाह ५८:५ में उपवास के लिए उपयोग किया जाता है, जिससे योम किप्पुर आध्यात्मिक वर्ष का सबसे बड़ा उपवास बन जाता है।

रब्बियों ने सिखाया कि इसे उचित उपवास बनाने के लिए, इसे एक सूर्यास्त से लेकर अगले सूर्यास्त तक, जब तारे दिखाई दें, जारी रखना होगा, और लगभग छब्बीस घंटे तक सभी भोजन और पेय से सबसे कठोर संयम की आवश्यकता थी . फरीसियों ने उपरोक्त उपवासों के अलावा, सप्ताह में दो बार सोमवार और गुरुवार को उपवास का तमाशा बनाया (लिंक देखने के लिए Cq पर क्लिक करें – यीशु ने उपवास के बारे में प्रश्न किया)। उन्होंने दावा किया कि उन दिनों को इसलिए चुना गया क्योंकि ये वे दिन थे जब मूसा ने सिनाई पर्वत पर ईश्वर से आज्ञाओं की पट्टियाँ प्राप्त करने के लिए दो अलग-अलग यात्राएँ की थीं। लेकिन, इतना संयोग नहीं, वे सिर्फ प्रमुख यहूदी बाज़ार के दिन थे, जब कस्बों में किसानों, व्यापारियों और खरीदारों की भीड़ थी। इस प्रकार वे दो दिन थे जहां नाटकीय उपवास के लिए सबसे अधिक दर्शक वर्ग होंगे। उपवास करने वाले पुराने कपड़े पहनते हैं, कभी-कभी जानबूझकर फटे और गंदे होते हैं, अपने बालों को बिखेरते हैं, खुद को गंदगी और राख से ढकते हैं, और पीला और बीमार दिखने के लिए मेकअप का भी उपयोग करते हैं। इसलिए, उन्होंने अपने पवित्र आचरण से दुनिया को बताया कि वे उपवास कर रहे थे। क्या शो है. लेकिन, जब दिल ठीक न हो तो रोज़ा रखना एक दिखावा और उपहास है। इसलिए, इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि मसीहा ने फरीसियों को उनके गलत उद्देश्यों के लिए डांटा।

Dq – जब आप उपवास करें तो अपने सिर पर तेल लगाएं और अपना
चेहरा धो लें मत्ती ६:१६-१८ | 3



नई वाचा में उपवास करने की कोई आज्ञा नहीं है। जबकि
उपवास वैकल्पिक है, कई विश्वासियों को लगता है कि उपवास उन्हें पालन करके वाचा के लोगों के साथ जोड़े रखता है। नतीजतन, क्योंकि परमेश्वर उपवास की आज्ञा नहीं देते हैं, यह दान देने या प्रार्थना करने जैसा नहीं है, जिसके लिए शास्त्रों में कई आदेश हैं। उपवास का उद्देश्य हमारे भौतिक जीवन को सरल बनाना है ताकि हम अपने आध्यात्मिक जीवन पर ध्यान केंद्रित कर सकें। नतीजतन, उपवास दैनिक पोषण के बजाय परमेश्वर पर निर्भरता की अभिव्यक्ति है। हमें पाखंडियों की तरह दुखी नहीं दिखना चाहिए, क्योंकि वे दूसरों को दिखाने के लिए अपना चेहरा विकृत कर लेते हैं कि वे उपवास कर रहे हैं। चूँकि उनके उद्देश्यों या सोच में ईश्वर का कोई स्थान नहीं था, उनके प्रतिफल में भी उसकी कोई भूमिका नहीं थी। मैं तुम से सच कहता हूं, उन्होंने अपना प्रतिफल पूरा पा लिया है (मत्तीयाहु ६:१६)। वे जनता से मान्यता चाहते थे, और वह पुरस्कार, और केवल वह पुरस्कार, जो उन्हें पूरा मिला।

वाक्यांश और जब आप उपवास करते हैं, इस समझ का समर्थन करता है कि उपवास का आदेश नहीं दिया गया है। लेकिन जब इसका अभ्यास किया जाता है तो इसे यीशु द्वारा यहां दिए गए सिद्धांतों के अनुसार विनियमित किया जाना चाहिए। फरीसियों और टोरा- शिक्षकों के विपरीत, विश्वासियों की धुलाई और अभिषेक रोजमर्रा की स्वच्छता का एक हिस्सा माना जाता है जिसे कभी-कभी उपवास के दौरान छोड़ दिया जाता था। लेकिन मसीह ने कहा: जब तुम उपवास करो, तो अपने सिर पर तेल लगाओ और अपना चेहरा धो लो (मत्ती ६:१७)। उपवास करते समय, विश्वासियों को खुद पर ध्यान आकर्षित करने से बचना चाहिए। यीशु सिखा रहे थे कि यह बलि पूजा का एक निजी कार्य है जिसमें धार्मिक गौरव के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। सब कुछ सामान्य दिखना चाहिए ताकि दूसरों को यह स्पष्ट न हो कि आप उपवास कर रहे हैं (मत्ती ६:१८ए)।

येशुआ के प्रेरितों ने तब उपवास नहीं किया जब वह उनके साथ थे क्योंकि उपवास आम तौर पर शोक या अन्य आध्यात्मिक आवश्यकता या चिंता के समय से जुड़ा होता है। जब जॉन द बैपटिस्ट के शिष्यों ने मसीहा से पूछा कि उनके शिष्यों ने उनकी और फरीसियों की तरह उपवास क्यों नहीं किया, तो प्रभु ने उत्तर दिया: दूल्हे के

Dq – जब आप उपवास करें तो अपने सिर पर तेल लगाएं और अपना
चेहरा धो लें मत्ती ६:१६-१८ | 4

मेहमान उनके साथ रहते हुए शोक और उपवास कैसे कर सकते हैं? जब तक वह उनके पास है, वे ऐसा नहीं कर सकते। जब तक येशुआ जीवित था, वे शोक नहीं मना सकते थे क्योंकि दूल्हा शारीरिक रूप से मौजूद था। उन्हें दावत की ज़रूरत थी, उपवास की नहीं। परन्तु वह समय आएगा जब यीशु, दूल्हे के रूप में, उनसे छीन लिया जाएगा, और उस दिन वे उपवास करेंगे (मत्ती ९:१५; मरकुस २:१९-२०; लूका ५:३४-३५)। परिणामस्वरूप, अनुग्रह के इस वितरण के लिए उपवास उपयुक्त है (इब्रानियों Bp पर मेरी टिप्पणी देखें – अनुग्रह का वितरण), क्योंकि मसीह शारीरिक रूप से पृथ्वी से अनुपस्थित है। लेकिन, यह परीक्षण, परीक्षण या संघर्ष के विशेष समय की प्रतिक्रिया के रूप में ही उचित है।

खतरे की अत्यधिक भावना अक्सर उपवास के लिए प्रेरित करती है। राजा यहोशापात ने यहूदा में राष्ट्रीय उपवास की घोषणा की जब उन्हें मोआबियों और अम्मोनियों के हमले का खतरा था (दूसरा इतिहास २०:३)। विशुद्ध मानवीय दृष्टिकोण से वे संभवतः जीत नहीं सकते थे; परन्तु फिर भी, उन्होंने उपवास करते हुए मदद के लिए प्रभु को पुकारा। रानी एस्तेर, उसके नौकरों और सुसा की राजधानी में सभी यहूदियों ने पूरे तीन दिनों तक उपवास किया, इससे पहले कि वह राजा क्षयर्ष के सामने जाकर यहूदियों से अपने लोगों के खिलाफ हामान की दुष्ट योजना से बचने की गुहार लगाए (एस्तेर Ba पर मेरी टिप्पणी देखें – मैं राजा के पास जाऊँगी; यदि मैं नष्ट हो जाऊँ, तो मैं नष्ट हो जाऊँगी)।

उपवास करते समय, केवल अपने पिता के लिए, जो अदृश्य है; और तुम्हारा पिता, जो गुप्त में किया जाता है देखता है, तुम्हें प्रतिफल देगा (मत्ती ६:१८बी)। जो व्यक्ति ईमानदारी से YHVH को खुश करना चाहता है वह जानबूझकर दूसरों को प्रभावित करने की कोशिश से बचेगा। यीशु यह भी नहीं कहते कि हमें स्वयं हाशेम द्वारा देखे जाने के उद्देश्य से उपवास करना चाहिए क्योंकि उपवास किसी के लिए भी प्रदर्शित नहीं करना है – जिसमें ईश्वर भी शामिल है। उपवास केवल परमेश्वर, उनकी इच्छा और उनके कार्य के लिए केंद्रित, गहन प्रार्थना और चिंता का एक हिस्सा है। यहां पवित्र आत्मा का कहना यह है कि पिता कभी भी उस उपवास पर ध्यान देने से नहीं चूकता जो दिल से महसूस किया गया और सच्चा है। केवल वे ही जो इस तरह से परमेश्वर के सामने उपवास करते हैं, उन्हें अपना इनाम मिलेगा।